<u>अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक</u>

1. **Ref.:** Dasara Padagalu – Purandara Dasara Keerthane, Samyukta Samputa, Edited by Shri Pavanje Gururao, Sriman Madhwa Siddantha Granthalaya, Udupi, page No. 677.
2. **Ref.:** Purandara Sahitya Darshana, Samputa 2, Adhyatma Darshana edited by Prof. S.K. Ramachandra Rao, page No. 202.
3. **Ref.:** Shri Purandara Dasara Sahitya Part – 3, Mahatmya Gnyana, edited by Shri Betageri Krishna Sharma and Shri Bengeri Huchha Rayaru, page No. 168.
4. **Note:** Lyrics given without highlights are as per Ref. 1. The wordings in Ref. 2 are same as in Ref. 1. But the lyrics are different in Ref. 1. They are given separately in green highlights.
5. **Note:** Singer has followed lyrics as in Ref. 1.
6. **Note:** Here, in this website, only one pravachana can be uploaded. Other parts of pravachanas of sri. Vid. Kallapur Pavamanachar can be viewed through the following links:
   Part 2 – https://www.youtube.com/watch?v=zt87LGckwOY&list=PLiXde4bHfHX_cVjLZrq86xyWOt77VfJJP&index=33
   Part 3 - https://www.youtube.com/watch?v=TN_nNvH7SwA
   Part 4 - https://www.youtube.com/watch?v=VwiVmYszv64
   Part 5 - https://www.youtube.com/watch?v=ojBqMS6Qx3E

<u>पुरंदर दासर गद्य</u>

(१) अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक

(२) रमा ब्रह्म रुद्रेंद्रादि वंद्य

(३) भक्तवत्सल

(४) भवरोग वैद्य

(५) शरणागत वज्रपंजर

(६) आपद्बांधव

(७) अनाथबंधो

Transliteration to Devanagari Script done by Prateek Harish

(८) अनिमित्तबंधो

(९) पतितपावन

(१०) महारोग निवारण

(११) महादूरित निवारण

(१२) महाभय निवारण

(१३) महाबंध विमोचन

(१४) भयकृत्भभय विनाशन

(१५) कृपावारिधि

(१६) देवदेवोत्तम

(१७) देवशिखामणि

(१८) कपट नाटक सूत्रधार

(१९) नित्यरोळु नित्य

(२०) सत्य संकल्प

(२१) मुक्तामुक्ति नियामक

(२२) मोक्षधर

(२३) सुवैकुंठपति

(२४) वैकुंठविहारी

(२५) त्रिधामा

(२६) त्रिगुणवर्जित

(२७) जगज्जन्मादिकारण

(२८) जगत्कर्त

(२९) जगदत्यंतभिन्न

(३०) जगदीश

(३१) जगदुद्धार

(३२) जगत्सामि

(३३) जगद्विलक्षण

(३४) जगन्नाथ

(३५) विश्वकुटुंबी

(३६) विराटमूर्ति

(३७) हे मंगळांग

(३८) हे शुभांग

(३९) परममंगळमूर्ति

(४०) कोमलांग

(४१) नीलमेघश्याम

(४२) इंदुवदन

(४३) बहुसुंदर

(४४) इंदिरांवंदितचरण

(४५) वृकोदर वंद्य

(४६) केशवादि रूप

(४७) अजादि रूप

(४८) विश्वादि रूप

(४९) आत्मादि रूप

(५०) अनिरुद्धादि रूप

(५१) अन्नमयादि रूप

(५२) अनेकमंत्रप्रतिपाद्य

(५३) सर्वसारभोक्त

(५४) अष्टैश्वर्य प्रदाता

(५५) ओंकार शब्दवाच्य

(५६) विशिष्ट तारतम्य वाच्य

(५७) अनंतानंत शब्द वाच्य

(५८) अणु महद्रूप

(५९) शंख चक्र पीतांबर धारी

(६०) कमलाक्ष

(६१) कमलनाभ

(६२) वैजयंती वनमाला शोभित

(६३) कौस्तुभ भूषित

(६४) सुवर्णवर्ण

(६५) नवरत्न कुंडलधारी

(६६) कस्तूरी श्रीगंध लेपन

(६७) गरुडारूढ शोभित

(६८) कामधेनु

(६९) श्रीवत्स लांछन

(७०) कल्पवृक्ष

(७१) चिंतामणि

(७२) क्षीराब्धि शायी

(७३) शेष शायी

(७४) वटपत्र शायी

(७५) खग वाहन

(७६) देशकाल गुणातीत

(७७) अनंत ब्रह्म

(७८) अनंत शक्ति

(७९) अनंतमूर्ति

(८०) अनंतकीर्ति

(८१) पुराणपुरुषोत्तम

(८२) अक्रूरवरद

(८३) अंबरीषवरद

(८४) नारदवरद

(८५) प्रह्लादवरद

(८६) गजेंद्रवरद

(८७) मुचुकुंदवरद

(८८) ध्रुववरद

(८९) विभीषणवरद

(९०) कुलालभीम संरक्षक

(९१) पुंडरीकवरद

(९२) पराशरवरद

(९३) पार्थसारथी

(९४) पापविदूर

(९५) अरिजनप्रचंड

(९६) चाणूरमल्ल मुष्टिकासुर मर्दन

(९७) काळिंदीकूलवन कंठीरव

(९८) मदन गोपाल

(९९) वेणु गोपाल

(१००) वेणुनादप्रिय

(१०१) षोडश सहस्र गोपिकाप्रिय विलास

(१०२) अहल्याशाप विमोचन

(१०३) द्रौपदी अभिमानरक्षक

(१०४) दुष्टजन मर्दन

(१०५) शिष्टजन परिपालन

(१०६) मुकुंद

(१०७) मुरारे

(१०८) कंसारे

(१०९) असुरारे

(११०) दैत्यकुलसंहार

(१११) क्षात्रकुलांतक

(११२) सोमकासुरांतक

(११३) हिरण्याक्ष हिरण्यकशिपु संहार

(११४) रावण-कुंभकर्ण मर्दन

(११५) शिशुपाल दंतवक्र शिरच्छेदन

(११६) रघुकुलोद्भव

(११७) दशरथकौसल्या नंदन

(११८) सिंधुवरद

(११९) सीतापतै श्रीरामचंद्र

(१२०) यदुकुलोत्पन्न

(१२१) यदुकुलोद्धारी

(१२२) यदुकुलतिलक

(१२३) यदुकुल श्रेष्ठ

(१२४) वसुदेवदेवकी नंदन

(१२५) यशोदाकंद

(१२६) वृंदावनवासी

(१२७) गोपकुमार

(१२८) गोकुल द्वारकावास

(१२९) गोवर्धनोद्धारी

(१३०) काळियमर्दन

(१३१) पूतनाप्राणापहारी

(१३२) शकटासुर मर्दन

(१३३) पांडवबंधो

(१३४) पांडवपरिपाल

(१३५) पांडव प्रिय

(१३६) सुदामसख

(१३७) रुक्मिणीवल्लभ

(१३८) सत्यभामाप्रिय

(१३९) गोपीजनजार

(१४०) नवनीतचोर

(१४१) गोपालकृष्ण

(१४२) गंगाजनक

(१४३) प्रयागमाधव

(१४४) काशी बिंदुमाधव

(१४५) पंपापति गुलुगुंज माधव

(१४६) रामेश्वर सेतु माधव

(१४७) बदरी नारायण

(१४८) श्रीरंगनाथ

(१४९) वङ्कि जगन्नाथ

(१५०) उडुपि श्रीकृष्ण

(१५१) मेलुकोटेय चेलुवराय

(१५२) बेलूर चॆन्निगराय

(१५३) अहोबल नरसिंह

(१५४) पांडुरंग विट्ठल

(१५५) श्रीशैलवास

(१५६) अरुणाचल निलय

(१५७) वृषभाचल विहारी

(१५८) अनंतशयन

(१५९) दर्भशयन

(१६०) कपिल

(१६१) हयग्रीव

(१६२) दत्तात्रेय

(१६३) शिंशुमार

(१६४) धन्वंतरि

(१६५) मम स्वामी

(१६६) सर्वस्वामी

(१६७) जगदंतर्यामी

(१६८) जगदीश

(१६९) प्राणेश

(१७०) द्विज फणिप मृडेश

(१७१) श्रीरमण

(१७२) भूरमण

(१७३) दुर्गारमण

(१७४) श्रीलक्ष्मी वेंकटरमण

(१७५) भारतीरमण मुख्यप्राणांतर्गत सीतापतै

(१७६) श्रीरामचंद्र

(१७७) साक्षात् मन्मथमन्मथ

(१७८) हरिविठ्ठल

(१७९) पुंडरीकवरद पांडुरंगविठ्ठल

(१८०) पुरंदरविठ्ठल ||

Note: The lyrics given below are as the book in Ref. 1. They are highlighted in green colour.

अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक,

रमा ब्रह्म रुद्रेंद्रादि वंद्य,

भक्त वत्सल, भव रोग वैद्य,

शरणागत वज्र पंजर,

आपत्काल बांधव, अनाथ बंधो

अनिमित्त बंधो, दीन बंधो, दयासिंधो,

पतित पावन, महारोग निवारण,

महाभय निवारण, महाबंध विमोचन,

महा पातक नाशन, अष्ट दारिद्य कष्ट नाशन,

अव्याहत षद्गुणैश्वर्य संपन्न,

अनंतादि गुण परिपूर्ण, अशेष दोषापहर्ता,

अघटित घटना समर्थ, आदि मध्यंतरहित,

अक्षराद्वितीय, अनघ, आदि नारायण,

अनंत वेद प्रतिपाद्य, नित्यरोळु नित्य,

अनंतकोटि मन्मथलावण्य,
अप्राकृत रसभोक्त, अष्टैश्वर्य प्रदाता,
ॐकार शब्दवाच्य, अणु महद्रूप,
शंख चक्र पीतांबर धर, चक्रपाणि,
वैजयंति वनमाला शोभित,
कौस्तुभा भूष, नवरत्न कुंडलधारी,
कस्तूरी श्रीगंध लेपन,
कामधेनु, कल्पवृक्ष, चिंतामणि,
शेष शायी, क्षीराब्धि शायी, वटपत्र शायी,
खग वाहन, देश काल गुणातीत,
अनंत बाहु, अनंत कीर्ति,
सर्वानंत, परम पुरुषोत्तम,
अक्रूर वरद, अंबरीश वरद, प्रह्लाद वरद,
ध्रुव वरद, विभीषण वरद, मुचुकुंद वरद,
गजेंद्र वरद, पराशर वरद, पुंडरीक वरद,
द्रौपदी अभिमान रक्षक, अहल्या शाप विमोचक,
दुष्ट जन मर्दन, विशिष्ट जन परिपाल,
मुकुंद, मुरारी, कंसारी, असुरारी,
दैत्य कुल संहारी, क्षात्र कुलांतक,
सोमक असुरांतक, हिरण्याक्ष-हिरण्य कशिपु संहारी,
रावण कुंभकर्ण विमर्दन,
शिशुपाल दंतवक्र शिरच्छेदन,
रघुकुलोद्भव, रघुकुल तिलक,
रघुलोत्पन्न, सिंधु बंधन,
सीतापते, श्री रामचंद्र,
यदुकुलोद्भव, यदुकुल तिलक,
यदुकुलोद्धारी, यदुकुलोत्पन्न,
वसुदेव देवकी नंदन,
यशोदा - नंदगोप कुमार,
वृंदावन - गोकुल - द्वारका वास,
गोवर्धनोद्धार, कालीय मर्दन,
पुतना प्राणापहारी, शकटासुर मर्दन,

पांडव बंधो, पांडव प्रतिपाल,

पार्थसारथी, पाप विदूर,

गजहनन प्रचंड, चाणोर मल्ल नाश

सुधाम सख, रुक्मिणी वल्लभ,

सत्यभामा प्रिय, गोपीजनजार,

नवनीत चोर, गोपाल कृष्ण,

गंगा जनक, प्रयाग माधव,

काशी बिंदु माधव, पंपापति गुलुगुंजी माधव,

रामेश्वर सेतुमाधव, बदरी नारायण,

श्रीरंगनाथ, वड्डि जगन्नाथ,

उडुपिय कृष्ण, चेल्लेपिल्लेराय,

बेलूर चेन्निगराय, पांडुरंग विठ्ठल,

श्रीशैल – अरुणाचल - वृषाचल निवास,

अनंत शयन, दर्भ शयन, कपिल, हयग्रीव,

दत्तात्रेय, हंसनामक, धन्वंतरि,

वृषभ, महीदास, यज्ञ नामक,

मम स्वामी, सर्वांतर्यामी, श्रीश,

वाणीश, द्विज फणिप-मृडेश, श्री रमण,

भू रमण, लक्ष्मी रमण, आलेमेलुमंग रमण,

इदिंरा रमण, लक्ष्मी रमण, श्री वेंकटरमण,

जगद्रक्षक, जगत्पावन, जगद्गुरुवे,

पुरंदर विठ्ठल, साक्षात्मन्मथ मन्मथ !

Classification: Keerthane
Ankita: purandara vittala
Location: NA
Category: Vishnu Stuti, Hari Sarvottama
Sub-Category: Vishnu, Ananta, brahmanda, gadya
Pravachana: Vid. Kallapur Pavamanachar
Explanation: NA